Edit with WPS Office

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर–273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
☎ : 0551.2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनाँक: 13-06-2020

प्रकाशनार्थ

डिजिटल युग में ई-रिसोर्स सूचनाओं का भंडार - प्रोफ. संतोष कुमार त्रिपाठी

13 जून 2020 ! "ई-लर्निंग एक ऑनलाइन सेटिंग में एक शैक्षिक पाठ्यक्रम में संलग्न होने का कार्य है। ई-लर्निंग पाठ्यक्रम विभिन्न रूपों में मौजूद हो सकते हैं, प्रौद्योगिकियों की एक श्रृंखला का उपयोग करके। ई-लर्निंग प्रौद्योगिकी और विशेष रूप से कंप्यूटर सिस्टम और शिक्षा के वातावरण में प्रौद्योगिकी के चल रहे समावेश से उपजा है। डिजिटल युग में रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी कई गतिविधियों का रूप बदल गया है। शिक्षा भी इन्हीं में से है। ई-एजुकेशन की बदौलत अब यह कतई जरूरी नहीं रह गया कि पढ़ने और पढ़ाने वाला एक ही जगह आमने-सामने हो। इससे शिक्षा का प्रसार तो आसान हुआ ही है, रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। " उक्त विचार जूम एप्प के माध्यम से कम्प्यूटर विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सप्त-दिवसीय कार्यशाला के छठवें दिन के विषय 'इम्पैक्ट ऑफ ई-लर्निंग एंड वर्चुअल क्लासरूम' विषय पर प्रोफेसर संतोष कुमार त्रिपाठी ,भौतिक विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी बिहार ने व्यक्त किया।

उंन्होने आगे यह भी स्पष्ट किया कि वर्चुअल क्लासरूम का कांसेप्ट भी नया है,वर्चुअल क्लासरूम का मतलब होता है कि अध्यापक कहीं विदेश में या दूर बैठा हुआ है और स्क्रीन के माध्यम से बच्चे पढ़ाई करते हैं, और यह मीडियम इतना शक्तिशाली है कि बच्चे इसमें अपने प्रश्न भी पूछ सकते हैं ऐसा लगता है जैसे अध्यापक सामने ही पढ़ा रहा है।भारत में ऑनलाइन एजुकेशन स्पेस में काफी प्रगति हुई है। युवाओं को आज जिस क्वॉलिटी के कंटेंट की दरकार है, वह उन्हें ई-लर्निंग के माध्यम से मिल रहा है। स्मार्टफोन, ऐप और वर्चुअल क्लासरूम ने पढ़ाई को आसान बनाने के साथ ही उसकी क्वॉलिटी को बढ़ाने में भी मदद की है।आज चाहे बेसिक स्कूल कोर्स की स्टडी हो या सीए, एमबीए या फिर आईटी जैसे प्रोफेशनल कोर्सेज अथवा डांस या म्यूजिक के कोर्सेज की, हर जगह ई-लर्निंग मेथड्स बहुपयोगी साबित हो रहे हैं। मार्केट में ऐसे पोर्टल्स की संख्या बढ़ गई है जो जेईई, एआईपीएमटी, बैंकिंग जैसे एंट्रेंस एग्जाम्स की तैयारी कराते हैं। इसी तरह यूनिवर्सिटीज अब मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) जैसे टेक्नोलॉजिकल इनोवेशंस की मदद ले रही हैं। इससे देश के किसी भी कोने में बैठे स्टूडेंट्स अपनी पसंद का ऑनलाइन कोर्स कर सकते हैं। भारत में रहते हुए वे विदेशी यूनिवर्सिटीज से डिग्री हासिल कर सकते हैं।

Edit with WPS Office

प्रोफेसर त्रिपाठी ने ई-रिसोर्सेज पर भी चर्चा की और इस डिजिटल युग में ई-रिसोर्स को सूचनाओं का भंडार बताते हुए कहा कि इन प्लेटफार्मों पर हमेशा नवीनतम सूचनाएं उपलब्ध रहती है। ओपन एक्सिस (ओए) रिसोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग लॉकडाउन के समय शोधार्थियों को करना चाहिए। उन्होंने साइटेशन का महत्व, इंपेक्ट फैक्टर की गणना,प्लेगरिज्म सॉफ्टवेयर, रिसर्च गेट, डायरेक्ट्रेट ऑफ ओपन एक्सेस जर्नल, ओपन टेक्स्ट बुक लाइब्रेरी, शोधगंगा, शोधगंगोत्री के संबंध में जानकारी दी। नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी इनहेंस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल) वेब और वीडियो कोर्स के उपयोग की बात कही।

डॉ नितेश शुक्ला ,भौतिक विज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ पी जी कॉलेज गोरखपुर ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रोफ. संतोष कुमार त्रिपाठी जी व ज़ूम एप,फेसबुक लाइव और यूट्यूब लाइव से जुड़े सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला के कोऑर्डिनेटर डॉ पवन कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन किया।

डॉ संजय कुमार तिवारी ,बी.सी.ए विभाग,दिग्विजयनाथ पी जी कॉलेज गोरखपुर ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता सहित सभी प्रतिभागियो को धन्यवाद देते हुए आभार ज्ञापित किया। तकनीकी सहयोग श्री बृजेश विश्वकर्मा ने दिया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षक सहित अन्य महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों से प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

YouTube link- https://www.youtube.com/user/dnpggkp
Facebook link - https://www.facebook.com/dnpggkp

डॉ शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी,सूचना एवं जनसंपर्क